भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 521 का उत्तर

मुर्शिदाबाद में रेलवे स्टेशनों का उन्नयन

521. श्री अबू ताहेर खान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मुर्शिदाबाद जिले और विशेषकर बेरहामपुर कोर्ट, लालगोला और अजीमगंज में रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ शौचालय, बैठने की पर्याप्त जगह और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ उन्नत करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा मुर्शिदाबाद के छोटे स्टेशनों, जहाँ अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, खराब स्वच्छता और निगरानी की कमी यात्रियों के लिए प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, पर सुरक्षा उपायों और अवसंरचना में सुधार के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने मुर्शिदाबाद के प्रमुख रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास/आधुनिकीकरण के लिए कोई विशिष्ट बजट/समय-सीमा आवंटित की है ताकि उन्हें पश्चिम बंगाल के अन्य जिलों में उपलब्ध मानक सुविधाओं के समतुल्य लाया जा सके और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन तक पहुँच और परिचलन क्षेत्रों में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और पेयजल-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म को ऊपर से कवर करना
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एग्जीक्यूटीव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं यथा व्यवहार्य दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें मुर्शिदाबाद ज़िले के आजिमगंज एवं बहरमपुर कोर्ट स्टेशनों के साथ 101 स्टेशन पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	101	आद्रा, अलीपुरद्वार जंक्शन, अलुआबाड़ी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अंडाल जंक्शन, अंदुल, आसनसोल जंक्शन, अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालूरघाट, बंदेल जंक्शन, बनगांवजंक्शन, बांकुरा, बरभूम, बारासात, बर्धमान, बैराकपुर, बेल्दा, बेरहामपुर कोर्ट, बेथुयाडहरी, भालुका रोड, बिन्नागुरी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांति निकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपाड़ा, चंद्रकोना रोड, डालगांव, डालखोला, दानकुनी, धूलियां गंगा, धूपगुरी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जंक्शन, फालाकाटा, गरबेटा, गेदे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हसीमारा, हिजली, हावड़ा जं, जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जयचंडीपहाड़ जं, कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोष पाड़ा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगड़ाघाट रोड, खड़गपुर जं,

		कोलकाता, कृष्णानगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नबद्वीप धाम, नैहाटी जं, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूचबिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओन्दाग्राम, पानागढ़, पांडवेश्वर, पांसकुराजंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, रानाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, सोराफुली जंक्शन, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तमलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेड़िया

पश्चिम बंगाल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल राज्य में 3 स्टेशनों (जॉयचंदी पहाड़, कल्याणी घोषपारा और पानागढ़) का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- अजिमगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म सरफेसिंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए द्वितीय प्रवेश द्वार स्टेशन भवन, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, शौचालय, सर्कुलेटिंग एरिया, दिव्यांगजन सुविधाएं, कोच संकेत बोर्ड और गाड़ी संकेत बोर्ड का कार्य पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम शुरू हो चुका है।
- बहरमपुर कोर्ट स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 1 पर प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर प्लेटफार्म सरफेसिंग और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली का काम पूरा हो

चुका है। प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर प्लेटफार्म शेल्टर का काम शुरू कर दिया गया है।

- खगड़ाघाट रोड स्टेशन: कोच संकेत बोर्ड और गाड़ी संकेत बोर्ड का कार्य पूरा हो चुका है। मौजूदा स्टेशन भवन, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, शौचालय, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग क्षेत्र और दिव्यांगजन सुविधाओं के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशन: मौजूदा स्टेशन भवन, आरक्षित लाउंज, पोर्टिको, प्रतीक्षालय, लिफ्ट, कोच संकेत बोर्ड, गाड़ी संकेत बोर्ड और साइनेज के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। सर्कुलेटिंग एरिया, शौचालय, एस्केलेटर, दिव्यांगजन सुविधाओं और 12 मीटर लंबे पैदल पार पुल का कार्य शुरू हो चुका है।
- जंगीपुर रोड स्टेशन: स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, कोच संकेत बोर्ड और गाड़ी संकेत बोर्ड साइनेज और लिफ्ट के सुधार कार्य पूरे हो चुके हैं। पोर्टिको और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- धुलियान गंगा स्टेशन: यात्री आरक्षण प्रणाली भवन, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार, लिफ्ट और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है। कॉनकोर्स एरिया और सर्कुलेटिंग एरिया का कार्य शुरू हो चुका है।

लालगोला स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए हाल के वर्षों में परिभ्रमण क्षेत्र में सुधार, प्लेटफार्म नं. 1 पर प्लेटफार्म शेल्टर, उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, स्टेशन प्रवेश पर रैंप, प्लेटफार्म नं. 2 पर मूत्रालय और महिला शौचालय के कार्य पूरे किए गए हैं। इसके अलावा, प्लेटफार्म को ऊंचा करने और शौचालय के प्रावधान के लिए कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय निचली श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों का विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 'के अंतर्गत निधियों के आबंटन का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। पश्चिम बंगाल राज्य चार रेलवे क्षेत्रों, अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और

मेट्रो रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹1,317 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (अक्टूबर, 2025 तक) ₹737 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

******